भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 1 JULY 2025

# Bihar govt, AAI ink MoU to develop six airports

**New Delhi:** An important memorandum of understanding (MoU) for the development of six airports was signed on Monday between the Government of Bihar and the Airports Authority of India (AAI) in the presence of Chief Secretary Amritlal Meena at Bihar Niwas in New Delhi.

Notably, five airports owned by the Bihar government — Birpur, Valmikinagar, Saharsa, Madhubani and Munger — and Muzaffarpur airport owned by the AAI dia have been identified under the 'UDAN' scheme of the Government of India. The Civil Aviation Ministry has sanctioned ₹25 crore for each airport.

The MoU was signed by Executive Director Anami Pandey on behalf of AAI and Director Civil Aviation Dr Nilesh Ramchandra Devre on behalf of Government of Bihar.

The chief secretary and Kundan Kumar (Resident Commissioner, Bihar) from Government of Bihar and Member (Finance) among others were present.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES PATNA 1 JULY 2025

# BIHAR GOVT, AAI SIGN MOU FOR DEVELOPMENT OF SIX AIRPORTS

**PATNA:** Bihar government on Monday signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Airports Authority of India (AAI) for the development of six airports in the presence of chief secretary Amritlal Meena in New Delhi.

The five airports owned by the Bihar government – Birpur, Valmikinagar, Saharsa, Madhubani and Munger, and Muzaffarpur airport owned by AAI have been identified under the Centre's 'UDAN' scheme. The ministry of civil aviation has approved ₹ 25 crore for each airport.

A pre-feasibility study was conducted by the state government for all these six airports. After this, this MoU was signed after getting the approval of Bihar cabinet recently.

The MoU was signed by executive director Anami Pandey on behalf of AAI and director Civil Aviation Nilesh Ramchandra Devre on behalf of Bihar government. HTC

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 1 JULY 2025

# CISF hosts workshop on airport sector

The Central Industrial Security Force (CISF) took a significant initiative by recently hosting a high-level workshop that brought together all the key players in civil aviation and VIP security to enhance safety and improve the passenger experience for everyone. The 'Functional Workshop of Airport Sector,' held at CISF's Airport Sector Headquarters on June 27, 2025, saw top CISF officials, airport security chiefs from across 69 airports and representatives from key organisations like the Ministry of Civil Aviation, DGCA, BCAS, AAI, Delhi Police, BOI, SPG, NSG, DIAL, and

representatives from major airlines like Air India Express and Indigo come together under one roof. This workshop focused on making airport security not just stronger but also more efficient and passenger-friendly.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 2 JULY 2025

## पटना और पुणे हवाईअड्डे को मिली बम से उड़ाने की धमकी

**पटना/पुणे।** बिहार के पटना और महाराष्ट्र पुणे हवाईअड्डे को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने के बाद वहां दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही

सुरक्षाबलों ने दोनों हवाईअड्डों को तुरंत खाली कराया और बम निरोधक दस्ते के साथ गहन तलाशी ली, लेकिन कहीं कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। इसके बाद अधिकारियों ने धमकियों को झूठी करार दे दिया। दोनों ही मामलों पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाया जा रहा है। एजेंसी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 2 JULY 2025

# नोएडा एयरपोर्ट से नवम्बर में मिली विमानों को उड़ान भरने की नई टाइम लाइन

- **घरेलू और कार्गो विमानों का उड़ान भरने के लिए 30 सितंबर तक टाइम लाइन**
- **अधूरे निर्माण कार्यों के कारण लगातार एयरपोर्ट से विमानों की उड़ान भरने की बदल रही तारीख**

**ग्रेटर नोएडा,** 1 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल जेवर एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और कार्गो विमानों का उड़ान का भरने की अब नई तारीख निर्धारित की गई है। अब 30 सितम्बर तक घरेलू, कार्गो और नवम्बर में अंतरराष्ट्रीय विमानों का उड़ान भरने का तारीख निर्धारित किया गया है। उससे पहले विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) का अधूरे निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। विमानों के उड़ान भरने का तीसरी बार टाइम निर्धारित किया गया है। बता दें कि मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने 17 जून को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। इस दौरान सामने आया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण कार्य अभी भी कई स्तरों पर अधूरा है। मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर नोएडा एयरपोर्ट से विमानों का उड़ान भरने की तारीख आगे निर्धारित की गई है। इससे पहले 30 जून तक नोएडा एयरपोर्ट से विमानों का उड़ान भरने की टाइम लाइन निर्धारित की गई थी।

मुख्य सचिव की समीक्षा के दौरान टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) सहित अन्य कई ढांचागत कार्य अधूरे पाए गए थे। इससे पहले मई में नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बकास) टीम ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से निरीक्षण किया था। जिसमें सुरक्षा व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया था। जिसका मुख्य कारण निर्माण कार्य के चलते सुरक्षा की चूक की संभावना जताई गई थी। बाकस की रिपोर्ट पर ही डीजीसीए एयरपोर्ट संचालन के लिए एयरोड्रम लाइसेंस जारी करता है।

नोएडा एयरपोर्ट का पहले चरण में 1365 हेक्टेयर में निर्माण कार्य किया जा रहा है। कंसेशन एग्रीमेंट अक्टूबर 2020 में किया गया था, विकासकर्ता कंपनी यापल को आधिकारिक रूप से भूमि सौंपी गई थी। निर्माण कार्य जून 2022 में तब शुरू हुआ जब टाटा प्रोजेक्ट्स को अनुबंध सौंपा गया, 30 सितम्बर 2024 तक एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन निर्धारित किया गया था। लेकिन प्रारंभिक गतिविधियों पर कोविड-19 के प्रभाव के कारण परियोजना में देरी हुई, उत्तर प्रदेश सरकार ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में देरी के कारण यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) पर प्रति दिन 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना 1 जनवरी 2025 से प्रभावी है, क्योंकि दिसम्बर 2024 में तीन महीने की अनुग्रह अवधि समाप्त हो गई थी। मुख्यमंत्री 10 मार्च 2025 को समीक्षा थी। जिसमें 15 मई तक घरेलू यात्री सेवाएं और 30 जून तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का निर्देश दिया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 1 JULY 2025

# TN govt fixes compensation for greenfield airport in Chennai

E T B SIVAPRIYAN
CHENNAI, DHNS

Determined on a greenfield airport for Chennai in the neighbouring Kanchipuram district despite protests from locals, the DMK dispensation in Tamil Nadu has fixed compensation for the land to be acquired at Rs 35 lakh-2.5 crore per acre.

Of the 5,000 acres needed for the project, which is likely to fructify in eight years, the government already owns 1,700 acres.

The compensation package fixed for the remaining 3,300 acres of land across dozens of villages is about three to seven times higher than the government-fixed guideline value in the area.

While a flat rate of Rs 35-60 lakh per acre was fixed for 1,906 acres of land whose guideline value is Rs 5-17 lakh, compensation can be fixed through private negotiation for 374.53 acres of land.

In Parandur and Eganapuram — the epicentre of the anti-airport protests for the past three years — as well as other villages, the compensation through private negotiations could be as much as Rs 2.57 crore per acre.

The "high compensation package" could be an indication that the DMK dispensation is resolute in implementing the project. The government in April received in-principle approval for the project from the Civil Aviation Ministry. The Tamil Nadu Industrial Development Corporation (TIDCO) is now working on the tender to select a concessionaire to build the facility.

"A new airport is an absolute need of the hour for a city like Chennai, which is fast expanding. With the city emerging as a major hub for global electronics manufacturers, a swanky airport will only help the state," a source told *DH*.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 2 JULY 2025

# अब नोएडा एयरपोर्ट पर विमान सेवा 15 नवंबर से

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: तीन बार विमान सेवा शुरू होने की समय सीमा टलने बाद अब 15 नवंबर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा शुरू हो सकती है। इससे पहले सितंबर में घरेलू व कार्गो सेवा शुरू हो सकती है। एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के लिए ब्यूरो आफ सिविल एविएशन की टीम विभिन्न चरणों में सुरक्षा मानकों की जांच कर चुकी है। अभी नागर विमानन महानिदेशालय से एयरोड्रम लाइसेंस मिलना शेष है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सितंबर 2024 में विमान सेवा शुरू करने की समय सीमा तय की गई थी। निर्माण कार्य पूरा न होने के कारण इसे अप्रैल 2025 कर दिया गया था, लेकिन 10 मार्च को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में घरेलू विमान सेवा के लिए 15 मई व अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के लिए 25 जून समय सीमा तय की गई। इसके बावजूद एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। मई व जून में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने एयरपोर्ट के निर्माण की समीक्षा कर कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए थे। टर्मिनल बिल्डिंग का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। रनवे, एटीसी टावर समेत अन्य कार्य लगभग पूरे हो चुके हैं। शासन ने कार्यों की गति को तेजी दिलाने के लिए राकेश कुमार सिंह को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड का सीईओ बनाकर भेजा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अफसर एवं यीडा के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि 15 नवंबर से नोएडा एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू हो सकती है। वहीं घरेलू व कार्गो टर्मिनल तैयार है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

## एक रनवे के साथ होगी विमान सेवा की शुरुआत

1334 हेक्टेयर में बन रहे एयरपोर्ट से विमान सेवा की शुरुआत एक रनवे के साथ होगी। यात्रियों की एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी के लिए विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. ने हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के परिवहन निगम के साथ अनुबंध कर लिया है। एयरपोर्ट की शुरुआत के साथ ही इन राज्यों के प्रमुख शहरों से सीधे बस सेवा शुरू हो जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 1 JULY 2025

# एयरपोर्ट उड़ाने की धमकी देने वाले ने 41 जगह भेजी ई-मेल

**चकेरी थाना पुलिस की प्राथमिक जांच में ई-मेल निकली फर्जी, अफवाह फैलाने की धारा में दर्ज किया गया मुकदमा**

जागरण संवाददाता, कानपुर: एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ने 41 जगह ई-मेल किए थे। मामले में एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी राकेश सिंह ने सोमवार शाम चकेरी थाने में रोडकिल एंड क्यो नाम से आई ई-मेल के आधार पर अफवाह फैलाने की धारा में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस अब ई-मेल करने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है।

चकेरी एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी राकेश सिंह के मुताबिक, शनिवार की सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर रोडकिलएंडक्योकिल नाम से विमानपत्तन निदेशक के ई-मेल पर बांब्स इंसाइड द एयरपोर्ट विषय पर ई-मेल पहुंचा था। उस ईमेल को 41 जगह भेजा गया था। ई-मेल में हमले की धमकी देते हुए लिखा कि एयरपोर्ट पर एक बैग में शक्तिशाली विस्फोटक रखा गया है। एयरपोर्ट तत्काल खाली करा दो। अन्यथ लोग मारे जाएंगे। ड्यूटी टर्मिनल मैनेजर विभूति पांडेय ने इसकी सूचना सीएएसओ कुलदीप सिंह राठौर, सीआइएसएफ अधिकारियों को दी। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि फर्जी ई-मेल की गई है। मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK NAVJYOTI JAIPUR 1 JULY 2025

# जयपुर एयरपोर्ट से शुरू होंगी 5 नई फ्लाइट्स

**नवज्योति, जयपुर।** जयपुर से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहतभरी खबर है। जयपुर एयरपोर्ट से मंगलवार से 5 नई फ्लाइट्स शुरू होने जा रही हैं, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इनमें दो फ्लाइट्स मुम्बई के लिए इंडिगो दोपहर 12.55 बजे और एयर इंडिया दोपहर 1.35 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की सुबह 9.50 बजे कोलकाता और दोपहर 12.35 बजे पुणे के लिए फ्लाइट संचालित होगी। वहीं दोपहर 2.25 बजे सूरत के लिए इंडिगो की फ्लाइट भी शुरू होगी। इन 5 नई उड़ानों के साथ अब जयपुर एयरपोर्ट से प्रतिदिन कुल 59 फ्लाइट्स संचालित होंगी, जिससे पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं एयरलाइंस की ओर से डीजीसीए से अन्य फ्लाइट्स के लिए अनुमति मांगी है। अनुमति मिलने के बाद शिड्यूल तय किया जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 1 JULY 2025

# Dumna Airport receives hoax bomb threat

**FP News Service**
JABALPUR

Jabalpur's Dumna Airport received a hoax bomb threat via email on Sunday. The airport was immediately evacuated and the Bomb Detection and Disposal Squad (BDDS) team started investigation.

In about 3 hours of searching, no bomb was found in the airport premises.

After this, the airport management has lodged an FIR against the unknown accused in Khamaria police station. Similar mails have also been received at 40 other airports in the country.

An email was received at the airport officer's mail address.

In the mail, it is written that "powerful explosive devices are hidden in packed bags around the airport. You have to evacuate the buildings immediately. You have to hurry, otherwise the people inside will be killed, they will lose their hands and feet. We are organisations named "Road Kill" and "Kyon" behind this terrorist attack."

As soon as the email was received, the airport officials swung into action and the terminal was evacuated. BDDS, ambulance and fire brigade along with the police of Khamaria police station reached the spot. Officers and employees took charge and the BDDS team started investigation around the airport. The investigation continued for about three hours. The airport's terminal building was also investigated, but nothing was found there.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 2 JULY 2025

# हैरत: हवाई जहाजों से रनवे तक हर जगह खामियां सामने आईं

एक्सक्लूसिव

■ अरुण चट्ठा

**नई दिल्ली।** अहमदाबाद विमान हादसे के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से देशभर के हवाईअड्डों का ऑडिट किया जा रहा है। इस दौरान विमान से लेकर रनवे तक कई बड़ी खामियां सामने आई हैं।

अब तक के ऑडिट को देखा जाए तो मुख्य तौर पर पांच तरह की खामियां अधिकांश जगहों पर देखने को मिल रही हैं। ऐसे में डीजीसीए ने विमानन कंपनियों और ऑपरेटरों को नोटिस जारी कर तय समय सीमा के अंदर सुधार करने का निर्देश दिया है। सबसे अहम बात कुछ खामियां बार-बार रिकॉर्ड में दर्ज की गईं लेकिन उन्हें फिर भी ठीक नहीं किया गया।

**सात दिन की समय अवधि :** डीजीसीए द्वारा दिए जा रहे नोटिस में सात दिन की समय अवधि तय की गई है। अगर तय समय के अंदर कमियों को ठीक नहीं किया जाता है तो विमानन कंपनियों और ऑपरेटर पर जुर्माने से लेकर लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई की जाएगी। पहले चरण की जांच के बाद दिए गए नोटिस के आधार पर कंपनियों एवं ऑपरेटर ने सुधार किए हैं, जिनका अलग से सत्यापन कराया जा रहा है।

## पांच प्रमुख गड़बड़ियां

1. कई हवाईअड्डों पर रनवे मार्किंग स्पष्ट नहीं, जिससे विमान की लैंडिंग में परेशानी आ सकती है।
2. कई विमानों में एक ही खराबी बार-बार रिपोर्ट की गई, लेकिन उसे पूरी तरह से ठीक नहीं किया जा सका।
3. विमान की मरम्मत के दौरान वर्क ऑर्डर एवं नियमों का पालन नहीं किया गया। पूरी चेकलिस्ट के आधार पर जांच नहीं।
4. हवाईअड्डों पर बैगेज ट्रॉली और ग्राउंड पर इस्तेमाल किए जाने वाले सामान उपयोग में नहीं लाए जा रहे हैं।
5. हवाईअड्डों पर चलने वाले वाहनों में गति नियंत्रक नहीं थे या फिर उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र में चलता हुआ पाया गया।

**सत्यापन के लिए टीम गठित :** नोटिस के बाद किए जा रहे सुधार से जुड़े सत्यापन के लिए अलग से टीमें लगाई गई हैं, जो एक से दो सप्ताह में रिपोर्ट देंगी। पहले चरण में दिल्ली, मुंबई समेत देश के कुछ प्रमुख हवाईअड्डों का निरीक्षण किया गया था लेकिन उसके बाद से देश के बाकी शहरों में स्थित छोटे हवाईअड्डों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें तकनीकी खामियां पाई गईं।

› हादसा टला P13

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 2 JULY 2025

### यमुना विकास प्राधिकरण और नायल के सीईओ ने जानकारी दी, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन नवंबर से होने की संभावना जताई

# नोएडा एयरपोर्ट सितंबर में शुरू होने की उम्मीद

**प्रोजेक्ट अपडेट 1**

**ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सितंबर में घरेलू और कार्गो उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, नवंबर में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन हो सकता है। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राकेश कुमार सिंह यीडा के साथ नायल के भी सीईओ बनाए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को एयरपोर्ट से जुड़े कार्यों को तय समय में पूरा कराने के निर्देश दिए। सीईओ ने बताया कि कुछ दिन पहले लखनऊ में नोएडा एयरपोर्ट के कार्यों को लेकर बैठक हुई थी। एयरपोर्ट के प्रथम चरण के तहत निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। रनवे और एटीसी का कार्य पूरा हो गया है। टर्मिनल बिल्डिंग का कार्य अंतिम चरण में है। टर्मिनल बिल्डिंग पर शीशे लग चुके हैं। इसके अलावा अन्य सभी जरूरी कागजी प्रक्रियाओं को भी पूरा किया जा चुका है। अब सिर्फ डीजीसीए से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने का इंतजार है। सीईओ ने बताया कि इसको लेकर टीम एयरपोर्ट का निरीक्षण भी कर चुकी है। जल्द ही औपचारिक तौर पर भी एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने की तिथि घोषित कर दी जाएगी।

**भूमि अधिग्रहण के कार्य तेज होंगे**

यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता तय नियम और शर्तों के हिसाब से एयरपोर्ट और जमीन अधिग्रहण के कार्य को गति देना रहेगा। डॉ. अरुणवीर सिंह का कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो गया था। आर के सिंह वर्ष 2009 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

### जमीन देने वालों का विस्थापन जल्द होगा

एयरपोर्ट के तीसरे और चौथे चरण में जमीन देने वाले लोगों के विस्थापन की तैयारी शुरू हो गई है। जिला प्रशासन 14 गांव के किसानों की चार से 11 जुलाई तक लोक सुनवाई के जरिए आपत्ति दूर करेगा। इस चरण में कुल 2053 हेक्टेयर भूमि चाहिए। इनमें से 14 गांवों की 1888.98 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा, शेष भूमि प्रशासन के पास पहले से है। इन 14 गांवों में रोही, पारोही, बंकापुर, दयानतपुर, सबौता मुस्तफाबाद, मुकीमपुर शिवारा, जेवर बांगर आदि शामिल हैं। भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से सहमति मांगी जा चुकी है। अधिग्रहण से प्रभावित करीब 9036 परिवार विस्थापित किए जाएंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 2 JULY 2025

# पुणे एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पुणे। पुणे एयरपोर्ट स्थित एक निजी एयरलाइन के दफ्तर को बम की धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रविवार तड़के 1:25 बजे आए ईमेल में लिखा था, हवाईअड्डे और विमानों के आसपास रखे बैगों में शक्तिशाली विस्फोटक छिपाए गए हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 2 JULY 2025

PILOT AMONG 5 ARRESTED

# Search for parents uncovers plot to disrupt Noida airport's land acquisition process

NEETIKA JHA
NOIDA, JULY 1

JUST 5 km away from the Noida International Airport, coming up at Jewar, stands a rehab and rehabilitation (R&R) site, an exposed brick house with a lock hanging on its brown iron gate. The house in Rohi village, according to villagers, was allocated to 75-year-old Hansraj — a farmer who had allegedly refused to give up land for the airport project — and his family by the local administration.

Last Friday, the Greater Noida Police had rescued Hansraj, along with his wife Kamlesh Devi and elder son Saurabh, from outside Dayanatpur village in Jewar. Five persons, including a pilot working with a commercial airline, were arrested on Saturday for allegedly orchestrating the abduction as part of a plot to disrupt the airport's land acquisition process and reap illegal financial rewards.

The police identified the accused as Captain Puttan Singh and his wife Sarojbala, residents of Noida's Sector 135; Pawan Chaudhary and Pramod, residents of Dayanatpur village; and Ramadevi, a resident of Maidan Garhi in Delhi.

The police said the involvement of the five accused came to light when the farmer's younger son, Sonu, moved the Allahabad High Court on June 2, accusing the police and administrative officials of kidnapping his family.

The court went on to order the police to present Hansraj and his family before it. The matter will now be heard on July 7.

Earlier, Greater Noida DCP Saad Miya Khan had told media-persons that Hansraj and his family were among the residents of the six villages that were rehabilitated during the first stage of the airport's development. "However, Hansraj, Kamlesh Devi, Saurabh, and Sonu objected to the shift to the R&R site and had been staying at their house in Rohi for the last three years. On May 29, they were moved by the Jewar sub-district magistrate to the R&R site."

House in Rohi village allocated to Hansraj and his family; household items dumped inside (right). *Neetika Jha*

Their ordeal allegedly began soon after.

When *The Indian Express* visited Rohi on Monday, the house allocated to Hansraj was found empty. Inside the house, lay a pile of clothes, three cots, and several plastic fruit baskets. The neighbours said they have no idea of the family's whereabouts. "Around 4 pm on May 29, two vehicles – a small truck and a tractor – loaded with household items arrived... They dumped the items inside the house and left," a neighbour said.

Two hours later, as he does every day, Saurabh came to his aunt's house to hand over milk. "He was accompanied by a policeman... When I asked him about his parents, he said that Hansraj had to be admitted to Kailash Hospital after he suffered an asthmatic attack while they were being shifted to the R&R site."

"By 7 pm, we reached the hospital but were stopped at the gate by the police. They told us that no one is supposed to meet the family... We then came back," said Saurabh's cousin.

Following this, on June 2, Sonu moved HC, filing a Habeas Corpus petition against the police and administrative officers. He alleged they had illegally detained his father, mother, and brother.

On June 4, Hansraj was allegedly discharged from the hospital, said his brother. Hansraj, along with his wife and Saurabh, came to stay at his house in Rohi, he added.

While the police have said that Hansraj had taken compensation for the project, his brother claimed that Hansraj had not given up his land. "In 2018, when we were asked to vacate our land, while we gave in, Hansraj decided not to give up his land. He was under the influence of some farmers and did not vacate the land. He neither took any compensation," he told *The Indian Express*.

"Around the end of 2020, we were given compensation for our land... In 2021, we started building our house, while staying on rent in Ranhera village and shifted in October," he added.

"When Hansraj was discharged from the hospital on June 4, he was unwell. He complained of diarrhoea, stomach ache, and his left foot was swollen. We were concerned and asked him to stay with us," he further said.

He added that on June 6, around 10.35 pm, when Hansraj's condition deteriorated, Saurabh took him and his mother away. "He said he was taking his father to the hospital... They never returned."

According to DCP Khan, the pilot, who is the mastermind in the case, abducted the three on June 6 on the pretext of taking them to another hospital for better treatment and held them hostage in a secluded enclosure outside Dayanatpur.

Last Friday, Hansraj's brother said they received a call from the police, informing them that the three had been found.

The police, in a statement, have said that on June 9, Sonu's petition was accepted by the HC, which directed the police to present the three before it by June 11. "When we failed to do so, the HC shifted the hearing to July 7. We set up seven teams and found that the accused had illegally confined the family. On June 27, we recovered them from Pawan's house," said DCP Khan.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER LUCKNOW 1 JULY 2025

# Security at Agra airport beefed up after threat mail

**Agra:** Security at Agra airport has been beefed up after it received a threat mail, police said on Monday.

Deputy Commissioner of Police (City) Sonam Kumar said the airport security filed a complaint regarding the threatening email on Sunday, following which a case was registered at Shahganj police station.

The complaint did not specify the details about the threat, police said.

"Similar emails have been received at other locations as well, and we are in contact with officials there. A thorough investigation is underway. The airport premises has been checked, and nothing suspicious found," the DCP said.

The FIR has been registered under BNS Section 351(4) (criminal intimidation by an anonymous communication) and Section 66F of the IT Act.

Police are working to trace the source of the email and assess its credibility, officials said. *PTI*

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 2 JULY 2025

## हवा में 900 फीट नीचे आया एअर इंडिया का विमान

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के महज दो दिन बाद ही वियना से दिल्ली आ रहा कंपनी का विमान बीच उड़ान में अचानक 900 फीट नीचे आ गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय घटना की जांच कर रहा है।

एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने घटना की पुष्टि की और कहा कि उड़ान में शामिल रहे दोनों पायलटों को सक्रिय ड्यूटी से हटा दिया गया है। उन्हें जांच पूरी होने के बाद ही विमान उड़ाने की इजाजत दी जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि घटना की जानकारी तत्काल ही डीजीसीए को दे दी गई थी। प्रवक्ता ने कहा, पायलटों से घटना की सूचना मिलते ही नियमों का पालन करते हुए इसके बारे में डीजीसीए को जानकारी दी गई। इसके बाद विमान के रिकॉर्डर का डाटा हासिल कर आगे की जांच शुरू की गई। इससे पहले डीजीसीए के सुरक्षा ऑडिट में इस बात का खुलासा हो चुका है कि एअर इंडिया के विमानों के बेड़े में रखरखाव और सुधार में गंभीर खामियां हैं। अहमदाबाद घटना के बाद से कंपनी की कई उड़ानों में तकनीकी खामी के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा या उड़ान रद्द करनी पड़ी। एजेंसी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 2 JULY 2025

**चुनौती** • प्लेन कम, अकासा के 78% पायलट ही उड़ान भर रहे

# अकासा एयरलाइंस का घाटा 19% बढ़कर 1,983 करोड़, विमान न मिलना बड़ी वजह

दीपक पटेल | नई दिल्ली

तीन साल पहले शुरू हुई अकासा एयर को वित्त वर्ष 25 में भारी घाटा उठाना पड़ा है। कंपनी का स्टैंडअलोन शुद्ध घाटा सालाना आधार पर 18.7% बढ़कर लगभग 1,983 करोड़ रुपए हो गया। इस घाटे में मुख्य रूप से कर्मचारी लागत, विमान के रखरखाव और एयरपोर्ट फीस में बढ़ोतरी है। इसके अलावा विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) खर्च बढ़ने से घाटा बढ़ गया। भले ही अकासा का घाटा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, लेकिन इंडस्ट्री की बाकी तीन कंपनियों का प्रदर्शन इससे बेहतर रहा है। इनमें इंडिगो, स्पाइसजेट और एअर इंडिया जैसे नाम है। इंडिगो का मुनाफा 7,258 करोड़ रुपए रहा।

## अकासा एयर के खर्च में 37.5% की बढ़ोतरी हुई

| मद | रकम | अंतर |
|---|---|---|
| रेवेन्यू | 4,636 | 47.5% |
| खर्च | 6,619 | 37.5% |
| शुद्ध घाटा | 1,983 | 18.7% |

(आंकड़े करोड़ रु. में, वित्त वर्ष 2024-25 के, स्रोत- इंडस्ट्री)

### 226 विमानों के ऑर्डर में से अब तक 30 ही मिले

विमानों की डिलीवरी में बोइंग से हो रही देरी बड़ी बाधा रही है। 226 विमानों के ऑर्डर में से 30 ही मिले हैं। बीते एक साल में 6 ही मिले। इससे एयरलाइन के पायलट वर्कफोर्स का एक बड़ा हिस्सा काम नहीं आ रहा है। अकासा का कहना है कि उनके पास 775 पायलट हैं।

### कर्मचारियों पर कंपनी का खर्च 36 फीसदी बढ़ा

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अकासा की कर्मचारी लागत 36% बढ़ी है। मेंटेनेंस खर्च में 26.6% और विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लागत में 181% का उछाल देखा गया है। बीते वित्त वर्ष उसके एयरपोर्ट चार्जेज में भी 40.9% की वृद्धि दर्ज की गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICLE HYDERABAD 1 JULY 2025

# Draft aviation rules worry flat owners

## Fear apartments in flight path may be razed

RACHEL DAMMALA I DC
HYDERABAD, JUNE 30

A proposed set of aviation safety rules by the Central government has reignited public concern in Secunderabad over the risks posed by Begumpet airport's location in a densely populated part of Hyderabad. Though no demolition orders have been issued yet, the ministry of civil aviation's draft rules, titled Aircraft (Demolition of Obstructions caused by Buildings and Trees etc.) Rules, 2025, have prompted housing colonies near the airport to brace for possible consequences.

According to the draft published in the Gazette of India on June 18, 2025, the director general of civil aviation (DGCA) may issue notices for demolition or height reduction if buildings or trees within airport flight paths are found to obstruct aircraft operations or violate safety norms.

Residents living around Begumpet fear that, once the rules are notified, their multi-storey homes, some of which have been flagged in past surveys, could be declared obstructions and marked for demolition. "This area has been home to my family for over 40 years. Now suddenly we are hearing that our building could be a safety threat. It is terrifying and unclear, we don't know if we will be compensated or even given time," said Anita George, a resident of New Bhoiguda.

Another resident, retired defence employee V. Gopal Rao, added, "Our building has clearance certificates from local authorities and now they are talking about demolitions under central rules. There is no clarity on how this will be applied. People are living in fear."

Raising these concerns, civilians and local civic groups have urged the Union government to consider relocating Begumpet airport to Dundigal, far from dense residential areas. In a formal letter to the DGCA, a Secunderabad-based forum said the airport's location within the city raises both safety and urban planning concerns due to its proximity to narrow roads, schools, hospitals and high-rise buildings. "The airport is barely used for commercial operations anymore, but residents are being made to live with the consequences of its presence. If safety is truly a concern, the best course of action is to shift it altogether," said Sanki Ravinder Babu, general secretary of Cantonment Vikas Manch.

The group argued that Dundigal offers better long-term potential with ample space, reduced air and road congestion and a safer operational environment. They cited the successful shift of Hyderabad's main airport from Begumpet to Shamshabad as a workable model.

While the draft rules are yet to be finalised, they have already caused anxiety among residents. Under the proposed framework, once a violation is reported, property owners must submit documents including site plans and structural details. If deemed an obstruction, a demolition or reduction order may follow, with compliance timelines as short as 60 days. If the rules are passed in their current form, they could be applied broadly across all airports, including ones like Begumpet, where surrounding land is already in high demand for redevelopment.

Residents and civic forums are now urging others in affected areas to review the draft and file objections or suggestions before the early July deadline. "We are not against safety," said Ravinder Babu, "but it cannot come at the cost of displacing long-time residents without a fair process."

**DEMOLITION FEAR**

**THE DIRECTOR** general of civil aviation may issue notices for demolition or height reduction if buildings or trees within airport flight paths are found to obstruct aircraft operations or violate safety norms.

**RESIDENTS LIVING** around Begumpet fear that, once the rules are notified, their multi-storey homes could be declared obstructions and marked for demolition.

**OUR BUILDING** has clearance certificates from local authorities and now they are talking about demolitions under central rules. There is no clarity on how this will be applied. People are living in fear.

—V. GOPAL RAO
*Retired defence employee*

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 2 JULY 2025

# टेकआफ के बाद हवा में 900 फीट नीचे आया एअर इंडिया का विमान

नई दिल्ली, एएनआइः दिल्ली से वियना जा रहा एअर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हवा में करीब 900 फीट तक नीचे आ गया। यह घटना अहमदाबाद में एयरलाइन के एआइ-171 विमान हादसे के कुछ ही दिनों बाद हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि जांच के नतीजे आने तक दोनों पायलटों को विमान उड़ाने से रोक दिया गया है।

एअर इंडिया का विमान 14 जून को सुबह 2.56 बजे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुआ, इसके बाद नौ घंटे और आठ मिनट फ्लाइट के बाद सुरक्षित रूप से वियना में उतरा। हालांकि, टेकआफ के तुरंत बाद विमान ने अचानक एल्टीट्यूड खो दिया, जिससे स्टाल और ग्राउंड प्राक्सिमिटी वार्निंग शुरू हो गईं, जिसमें बार-बार 'डोन्ट सिंक' अलर्ट शामिल थे। एअर इंडिया ने कहा कि पायलटों ने विमान को स्थिर करने के लिए तुरंत एक्शन लिया और चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद सुरक्षित यात्रा जारी रखी।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि पायलट की रिपोर्ट मिलने के बाद मामले की जानकारी नियमों के अनुसार नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दी गई। विमान के रिकार्डर से डाटा मिलने पर जांच शुरू की गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 2 JULY 2025

# Fake AI Content on Air India Crash Poses Headwind for Regulators

## A wave of misinformation, created by generative AI, has swarmed the internet

Arindam Majumder
& Himanshi Lochchab






**New Delhi | Mumbai:** Days after the crash of an Air India Boeing 787 plane in Ahmedabad, killing 275 people, a preliminary investigation report was found circulating in aviation circles. The report, except for an emoji, appeared genuine with various aviation terminologies, giving it a professional look.

However, a closer scrutiny by trained eyes eventually revealed that it was created by an AI platform using details from a 2024 incident involving South American airline LATAM, giving it a convincing look. By the time, the Indian government refuted the report as fake, news websites had already run headlines, clouding the minds of the public, and even that of several pilots.

With the June 12 Air India crash stirring public uproar amid scarce post-accident updates, a wave of false information, including pictures and videos created by generative AI, has swarmed the internet.

"We've observed a disturbing pattern in how bad actors are leveraging AI and social media platforms to spread misinformation and commit fraud during sensitive events like the Air India Flight 171 crash," said Amit Relan, co-founder and CEO at digital fraud detection firm mFilterIt.

Relan's firm found instances of fake videos showing the aftermath of the air accident and even a case of a fraudulent fundraising attempt. "This is a classic case of emotionally-driven financial fraud, often operated from untraceable or unverified sources," he said, advocating for public education to differentiate legitimate from manipulated content.

As per the International Civil Aviation Organization's (ICAO) recommendations on good communication practices for aircraft crashes, it is essential to communicate effectively with the media to ensure the accuracy of information provided and maintain public trust.

**ET Insight**

**According to the ICAO's principles, states responsible for probing an air crash should release a preliminary report within 30 days**

The civil aviation ministry last week said the Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has successfully extracted data from the cockpit voice recorder and flight data recorder of the aircraft. Both the CVR and the FDR were moved to AAIB's lab in New Delhi only on 24 June, more than a week after they were recovered from the crash site in Ahmedabad. The ministry did not give any reason for the delay.

John Cox, a former pilot and chief executive of Safety Operating Systems, a provider of consulting services on accident investigations, said with the growing prevalence of GenAI, there needs to be a paradigm shift for providing information by AAIB after an event like a crash. "This is the most extensive case of misinformation that has been seen during any accident. The AAIB should be having daily briefings as done by agencies across the globe. Because in the absence of information, it is misinformation which fills the void," Cox said.

BOOM, a fact-checking platform found images of aircraft with its tail on fire or even an AI generated image of a wreckage in front of the Ahmedabad airport, which was also created by AI. BOOM used AI image detectors, with all indicating a high likelihood of them being AI-generated. However, none of the posts contained a disclaimer.

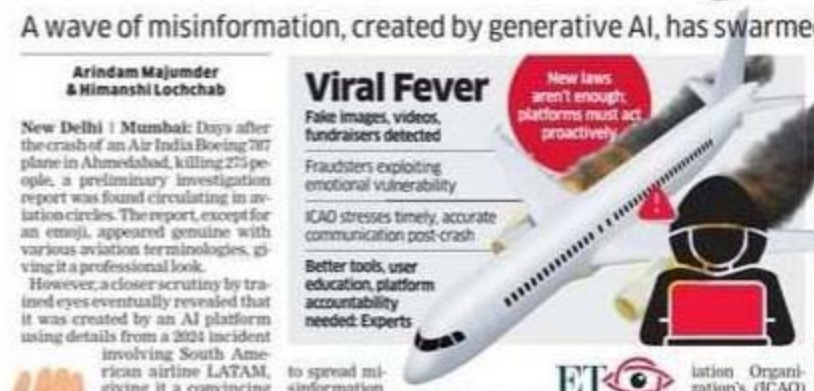

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 2 JULY 2025

# Jet Fuel Price Hiked by 7.5%

## LPG price for commercial units cut by ₹58.50/cylinder

PTI

**New Delhi:** The price of jet fuel (ATF) was sharply increased by 7.5% on Tuesday, while the cost of LPG used in commercial establishments was reduced by ₹58.50 per cylinder, reflecting shifts in international benchmark rates.

After three rounds of price cuts, aviation turbine fuel (ATF) price was increased by ₹6,271.5 per kilolitre, or 7.5%, to ₹89,344.05 per kl in the national capital—home to one of the busiest airports in the country, according to state-owned fuel retailers.

The increase amounts to half of the total reduction implemented over three monthly installments since April.

ATF price was last reduced by ₹2,414.25 per kl (2.82%) to ₹83,072.55 per kl on June 1. Prior to that, rates were cut by 4.4% (₹3,954.38 per kl) on May 1 and a steep reduction of 6.15% (₹5,870.54 per kl) on April 1.

The increase in ATF price is in line with the spurt in global oil rates that followed Israel's attack on Iran last month. No immediate comments could be obtained from the airlines on the impact of price hike.

Prices of ATF and LPG differ from state to state depending on the incidence of local taxes, including VAT.

This is the fourth straight reduction in commercial LPG rates. Prices were last reduced by ₹24 per 19 kg cylinder on June 1.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 2 JULY 2025

## IndiGo launches long-haul flights to Manchester

DOMESTIC CARRIER INDIGO launched its long-haul international operations with its inaugural flight landing in Manchester from Mumbai. The flight will be operated with Boeing 787-9 Dreamliner aircraft three times a week, the airline said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 2 JULY 2025

# एक और विमान हादसा होने से टला, जांच के आदेश दिए

**नई दिल्ली, विशेष संवाददाता।** अहमदाबाद विमान हादसे के दो दिन बाद एक और बड़ा हादसा टल गया था। सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया का विमान (एआई-187) 14 जून की रात 2:56 बजे दिल्ली से विएना जा रहा था, जो खराब मौसम के कारण टेकऑफ करने के कुछ देर बाद हवा में लड़खड़ाने लगा।

विमान करीब 900 फीट तक नीचे आ गया था पर पायलटों की सतर्कता से हादसा टल गया। मामले में नागर विमानन महानिदेशालय ने जांच के आदेश दिए हैं। दोनों पायलटों को जांच पूरी होने तक हटा दिया गया है।

बताया जा रहा है, विमान में कुल 286 लोग सवार थे। जांच के लिए विमान का ब्लैक बॉक्स जब्त किया गया है। उधर, एयर इंडिया की तरफ से जानकारी दी गई कि पायलट की रिपोर्ट पर डीजीसीए को जानकारी दी गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 2 JULY 2025

# 'Opportunity for India to become a major hub for sustainable aviation fuel'

SUSTAINABLE AVIATION fuel (SAF) is currently a buzzword in the global aviation industry's decarbonisation ambitions. The biofuel, which can be blended with regular jet fuel, is expected to be the biggest contributor in the industry's decarbonisation efforts. According to **PREETI JAIN**, Head - Net Zero Transition Programs at airline industry body International Air Transport Association (IATA), India is well-positioned to emerge as an international SAF manufacturing hub, provided it capitalises on the opportunity with concerted efforts, primarily through a policy push and incentives for the segment's value chain. In an interaction with SUKALP SHARMA, Jain delves into the global SAF ecosystem, its challenges, lessons from other regions, mandates-versus-incentives debate, and the road ahead globally as well as in India. Edited excerpts:

THE EXPRESS INTERVIEW

WITH

PREETI JAIN

HEAD - NET ZERO TRANSITION PROGRAMS, INTERNATIONAL AIR TRANSPORT ASSOCIATION

**How critical is SAF for the global aviation industry's decarbonisation targets? Is SAF production on track to meet multilateral requirements and regional and country-specific mandates?**

There are four things which we have identified for the decarbonisation roadmap—sustainable aviation fuel (SAF), operational efficiencies, (carbon) offset, and hydrogen and electric planes. All of them are important. While all are important, SAF alone is likely to account for over 60 per cent (in decarbonisation)... On SAF, it is important to understand that even if we deploy all the solutions today, they can only bring a certain level of carbon emission reduction. We are still far away from our final goal, as well as mid-term and short-term goals, because SAF currently stands at just around 0.7 per cent of global jet fuel production. We map around 300 renewable fuel projects around the world, and we considered 160 projects for our assessment. We saw that nearly 54 per cent of the projects are just announcements; all of them want to produce SAF by 2030. Each plant would likely take at least four-five years to be built, and it doesn't look likely that many would be ready by 2030.

**Having earlier worked in this domain in India, how do you see the country's SAF ecosystem?**

I have witnessed this ecosystem for more than 10 years in India. I'd say India is headed in the right direction and should do fine in meeting the initial requirements. Interestingly, India wants to come up with its tailor-made policies which can help its own ecosystem.

The country has announced its intent to have time-bound SAF blending targets. But we are yet to see a firm roadmap and the implementation plan. Various Indian energy companies are working on SAF projects. These companies have always come forward to do what is required by the government and international commitments. So, I'm positive about India. The question is would India be happy just doing the bare minimum to meet mandates and requirements? Or does it want to be ahead of the curve and start making SAF not just for Indian airlines, but also for international airlines operating to India? There is enough ethanol supply in the country, and some of it can be diverted to make SAF... India wants to export ethanol, and similarly, SAF also presents a similar opportunity. There can be a 'make in India for the world' opportunity in SAF. India can potentially manufacture 40 million tonnes of SAF by 2050.

**What is it that India should do to meet SAF requirements as well as become an SAF manufacturing hub?**

India should prioritise feedstock for the production of SAF without waiting further, leverage the existing refining capability, invest in the research and innovation and new technologies. Funding should be made available to projects as well as the feedstock aggregation supply chains. It also needs to be ensured that the SAF manufactured in India meets all sustainability certification criteria, and that needs to start now, not when the plants are ready for production.

**Europe already has SAF blending mandates which have come much before CORSIA's mandatory phase kicks in (from 2027). Is it a move in the right direction?**

Mandates and incentives need to come together in the right proportion. While there is already a mandate in Europe, the fundamental question is about the ecosystem, is it ready? That ecosystem readiness was not there, and in such a scenario, mandates aren't going to really be effective. Much of the SAF being used in Europe is coming from different continents. Does it even make sense, considering long-haul transportation of the fuel itself would have a high carbon footprint? That is why we are asking for incentives to be brought in so that the local ecosystem is prepared with enough domestic production. FULL INTERVIEW ON www.indianexpress.com

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 2 JULY 2025

## ATF price up 7.5%, commercial LPG rate cut by ₹58.5

**New Delhi:** The price of aviation turbine fuel (ATF) was sharply increased by 7.5% on Tuesday, while the cost of LPG used in commercial establishments was reduced by ₹58.50 per cylinder, reflecting shifts in international benchmark rates. The increase amounts to half of the total reduction implemented over three monthly instalments since April. PTI

MINT

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 2 JULY 2025

# Boeing CFO exit is latest change in chief executive Kelly Ortberg's C-suite

Sharon Terlep & Drew Fitzgerald

THE WALL STREET JOURNAL.

Boeing's top finance executive is stepping down after a tumultuous four years for the jet maker, the latest high-profile leader to leave since Chief Executive Kelly Ortberg took over last year.

Finance chief Brian West is being replaced by aerospace veteran Jesus "Jay" Malave , who stepped down in April as chief financial officer of defense company Lockheed Martin. The change is effective Aug. 15.

West helped lead Boeing through post-Covid tumult, a damaging machinists strike and fallout from last year's near-catastrophic fuselage-panel blowout on an Alaska Airlines flight.

In April, the Arlington, Va., company posted its strongest quarterly results since before the Alaska Air incident.

Ortberg has been shaking up Boeing's management since arriving at Boeing in August. Defense chief Ted Colbert left last year shortly after Ortberg's arrival. Boeing's quality chief, its chief information officer and its top lobbyist have also departed the company.

West was a Boeing outsider when he became CFO in August 2021, as the company reeled from dual crises: the Covid-19 pandemic and a pair of fatal crashes a few years earlier.

Last year it raised more than $24 billion through the sale of common and preferred stock , a move to shore up its finances while it was burning through its cash reserves. The company in April agreed to sell some of its navigation business to private-equity firm Thoma Bravo for more than $10 billion.

"These past few years have been some of the most consequential in Boeing's history," Ortberg said in a written statement. He commended West for ensuring the Boeing team "had the resources to continue the critical work to strengthen safety and quality across our operations."

Kelly Ortberg has been shaking up Boeing's management since arriving at Boeing in August. BLOOMBERG

**Brian West is being replaced by Jesus "Jay" Malave, who stepped down in April as CFO of Lockheed Martin**

Before coming to Boeing, West was CFO of market-research firm Nielsen when it was led by David Calhoun , Boeing's former CEO. West also spent 16 years at General Electric.

Once Malave assumes the finance-chief role, West will become a senior adviser to Ortberg.

West, for years, lived in Connecticut, and was among executives who resided far away from Boeing's corporate headquarters. But Ortberg, who moved to Seattle from Florida after taking the Boeing job, has pressed the company's far-flung executives to move closer to the units that they run.

A big chunk of Boeing's management and manufacturing operations are around Seattle . The company maintains its corporate headquarters in Arlington, Va. A Boeing spokeswoman said Malave expects to be based in Seattle.

Malave had been Lockheed's chief financial officer since February 2022, when the company recruited him from smaller rival L3Harris Technologies.

He is joining Boeing after the company has made changes within its defense division following costly missteps. The division accounts for about one-third of Boeing's annual revenue.

The company scored a much-needed win earlier this year when it won a contract to develop the Air Force's next-generation fighter jet and recently hired former Northrop Grumman executive Steve Sullivan to oversee its Air Force One program.

©2025 DOW JONES & CO., INC.
feedback@livemint.com

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 2 JULY 2025

# Report on AI crash soon

RAJESH KUMAR
■ New Delhi

Nearly 20 days after the Air India crash in Ahmedabad killed 270 people including 241 on board, Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) is likely to release a preliminary probe report by next week.

The document, which is likely to be four to five pages long, will be crucial because it will provide initial insights into the crash on June 12, including the possible causes, sources said here on Tuesday.

As per International Civil Aviation Organisation (ICAO) guidelines, India is required to file a preliminary report within 30 days of the crash. The complete probe report is expected in roughly two months from now, which would be three months from the day of the crash. Sources said the preliminary report will include details about the aircraft, which was a Boeing Dreamliner 787-8, the crew, conditions at the Ahmedabad airport, and the weather on June 12, when Air India flight 171 crashed, roughly 30 seconds after taking off.

File Photo

Details about the wreckage will also be part of the report, as will the name of the investigator in charge. The document will chart the progress of the probe, outline the next steps that need to be taken and highlight areas that need further investigation.

Just days ago, the junior minister for civil aviation, Murlidhar Mohol had said all angles are being investigated in the crash, including sabotage.

Continued on » P2

# Report on AI crash soon

Continued from » P1

"It (the plane crash) was an unfortunate incident. The AAIB has begun a full investigation into it. It is being probed from all angles, including any possible sabotage. The CCTV footage is being reviewed and all angles are being assessed. Several agencies are working on it," he had said.

"It has never happened that both engines have shut down together. Once the (full) probe report comes out, we will be able to ascertain if it was an engine problem or fuel supply issue or why both the engines had stopped functioning. There is a Cockpit Voice Recorder in the black box, which has stored the conversation between the two pilots. It is too early to say anything but whatever it is, it will come out," the minister added.

The Boeing 787-8 Dreamliner, which was operating as Air India flight AI-171 to London, had taken off from Ahmedabad and crashed into the complex of the BJ Medical College — an aerial distance of less than 2 km. The crash took place at 1.39 pm, just 32 seconds after the aircraft took off.

Of the 242 people, including 10 crew members and two pilots, on board the flight, only one — 40-year-old Vishwash Kumar Ramesh, a British-Indian who was returning to the UK after a visit - survived. At least 30 people on the ground, including trainee doctors, were also killed. The document will focus on establishing a timeline of the crash. It will also detail critical information such as cockpit conversations, pilot actions, system performance, weather data and air traffic control communications, the report added.

While the report is not expected to assign definitive blame, it will mark the first time that investigators publicly share insight into what happened inside the cockpit and on the ground in the final minutes of the flight.

Meanwhile, legal teams from the US and UK are preparing to sue Air India and Boeing over the devastating Air India crash. The legal action is being considered to seek enhanced compensation for the loss of lives in the tragic incident.

According to sources, the litigation is being spearheaded by UK-based Keystone Law partners James Healy-Pratt and Owen Hanna, alongside aviation law specialists from the US-based Wisner Law Firm.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

# Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 2 JULY 2025

# सुरक्षित हवाई यात्रा के लिए बने नई व्यवस्था

**प्रभु चावला**
एडिटोरियल डायरेक्टर
द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
newindianexpress.com

**12 जून** को 230 सवारियों वाली एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरी। तीस सैकेंड बाद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिर पड़ा। उस हादसे को रोका जा सकता था, दुर्घटना ने उस विमान की बदहाली को पोल तो खोली ही, विमानन क्षेत्र से जुड़े पूरे तंत्र में व्याप्त सड़ांध को भी उजागर कर दिया। किसी भी लोकतंत्र में ऐसे हादसे जागने का अवसर होते हैं लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। इसके बजाय मृतकों के शोकाकुल परिजन शवों की तस्वीरों और अनुत्तरित प्रश्नों के साथ एक से दूसरे मुर्दाघर में दौड़ रहे थे। संकट के समय मदद करने के लिए कोई टीम नहीं थी।

एयरलाइंस द्वारा हत्या करके बच निकलने का मुख्य कारण यह है कि उनकी जिम्मेदारी तय करने के लिए कोई विनियामक नहीं है। सच तो यह है कि वह कोई हादसा नहीं था, यह दैनंदिन अक्षमता के वेश में सुनियोजित लापरवाही थी। भारत का विमानन क्षेत्र ऊंची उड़ान नहीं भर रहा, यह विनियंत्रण के स्तर पर डरे होने, कॉरपोरेट लालच और राजनीतिक उदासीनता का मिलाजुला रूप है। नतीजतन रनवे पर, हवा में और जिम्मेदार लोगों के हाथों में-सर्वत्र खून है, दो कंपनियों के नियंत्रण वाला विमानन क्षेत्र सिर्फ एयरलाइंस का संचालन नहीं कर रहा, लोगों के मुताबिक, 35,000 फीट की ऊंचाई पर यह उगाही का तंत्र चलाता है। इन दो प्रमुख एयरलाइन समूहों का भारतीय आकाश के 88.5 फीसदी हिस्से पर कब्जा है।

विमानों के किराये का नमूना देखिये : दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच 50 मिनट की उड़ान के 8,500 रुपये, चेन्नई से कोयंबटूर के लिए 10,200 रुपये, पिछले साल इंडिगो ने 11.8 करोड़ मुसाफिरों को गंतव्य तक पहुंचाया और 7258 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। एयर इंडिया हिसाब-किताब के मामले में शालीनता दिखाती है लेकिन एक बार में 470 विमानों के ऑर्डर देने का फैसला उसकी ताकत के बारे में बताता है। गो फर्स्ट के खत्म हो जाने और स्पाइसजेट की हिस्सेदारी घटकर चार फीसदी रह जाने के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है-सिर्फ कार्टेल पूंजीवाद है और विनियामक? जरा रुकिए, भारत में कोई विनियामक नहीं है। यहां डीजीसीए यानी नागर विमानन महानिदेशालय है, नागर विमानन के लिए डीजीसीए का होना वैसा ही है, जैसे चाकू की जगह टूथपिक हो।

भारत का तथाकथित विमानन विनियामक फंड और संसाधन की कमी के साथ राजनीतिक अंकुश से जूझ रहा है, इसमें 53 फीसदी पद खाली हैं, जबकि संसाधनों में 91 फीसदी कटौती की गयी है। नींद से जागकर 24 जून को उसने जो जांच रिपोर्ट जारी की, वह डरावने उपन्यास की तरह लगता था। उसने रिपोर्ट में व्यवहार के अयोग्य बैगेज ट्रॉली, गलत ढंग से रखे लाइफ वेस्ट्स, रखरखाव के प्रोटोकॉल की अनदेखी, लगातार होने वाली तकनीकी चूक आदि का जिक्र किया है। डीजीसीए ने इन कमियों पर क्या रुख दिखाया? उसने एक प्रेस रिलीज जारी की, अपनी पीठ थपथपायी, फिर लंबी नींद में सो गया।

भारत बड़े विमानन बाजार वाला इकलौता देश है, जिसके पास वैधानिक रूप से और स्वतंत्र विनियामक नहीं है। ब्रिटेन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और पड़ोसी नेपाल तक में ऐसे स्वतंत्र

निकाय हैं, जिन्हें विमानों पर उड़ान प्रतिबंध लगाने, जुर्माना लगाने, यात्री अधिकारों को लागू करने, यहां तक कि अधिकारियों को जेल में डालने के लिए भी मंत्रियों से अनुमति लेने की जरूरत नहीं पड़ती। अमेरिका के संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) में 45,000 कर्मचारी हैं और उसका 20 अरब डॉलर का सालाना बजट है, भारत में डीजीसीए समय पर हादसे की रिपोर्ट जारी कर दे तो यही बहुत है।

दूसरे देशों में विमान दुर्घटनाओं के बाद सुधार लागू होते हैं, वर्ष 2008 के स्पेन एयर हादसे के बाद यूरोपीय संघ ने सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया। वर्ष 2018-19 में 737 मैक्स हादसे के बाद एफएए ने बोइंग जेट्स पर 20 महीने का उड़ान प्रतिबंध लगाने के साथ बदलाव भी किये। वर्ष 2023 में विमान के इंजनों का मुद्दा सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलिया का सीएएसए हरकत में आया। जापान में इसी साल टोक्यो के रनवे में हुई टक्कर के तुरंत बाद जेटीएसबी सक्रिय हो गया। अपने यहां अहमदाबाद विमान हादसे के दो सप्ताह बाद तक डीजीसीए चुप रहा। भारतीय विमानन क्षेत्र में सिर्फ फेयर मीटर ही तेज दौड़ता है। हां, हमारे यहां एयरपोर्ट क्वालिटी के लिए विनियामक है, क्योंकि रनवे के टाइल्स यात्रियों के जीवन से ज्यादा महत्व रखते हैं। विगत मार्च में कोलकाता से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक उड़ान को खराब मौसम के कारण जब जयपुर में उतारा गया तो एक यात्री प्रिया शर्मा अपने पिता के अंतिम संस्कार में उपस्थित नहीं हो सकी।

बेंगलुरु से हैदराबाद जा रही उड़ान में जब एक महिला बेहोश हो गयी तो क्रू ने उसकी अनदेखी की, तब महिला की बेटी को रोते हुए बताना पड़ा कि यह मेरी मां हैं। पिछले महीने गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे इंडिगो के एक विमान के पायलट ने ईंधन भरने के लिए मे डे कॉल किया। दिल्ली से श्रीनगर जा रहा एक विमान ओलावृष्टि से जर्जर हो गया। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एक साल में बर्ड हिट के 462 मामले पाये गये। अहमदाबाद हादसे के बाद भारत को बड़ा कदम उठाने की जरूरत है, इसे सुधार के लिए जुबानी वादे की जरूरत नहीं है। न ही किसी कमेटी या 700 पेज की रिपोर्ट की जरूरत है। इस मौजूदा व्यवस्था को खत्म कर नई व्यवस्था शुरू करनी होगी। देश को एक स्वतंत्र नागर विमानन विनियामक प्राधिकरण की जरूरत है जो पूरी तरह वैधानिक हो, जिसके पास अधिकार हो और जिस पर राजनीतिक दखल न हो। इस प्राधिकरण को विदेशी विशेषज्ञ नियुक्त करने दें। इसके पास बड़ा बजट हो, किराये के मामले में पारदर्शिता होनी चाहिए।

उड़ानों और यात्रियों के रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ करने वाले सीईओ को जेल क्यों नहीं भेजा जाता? यात्रियों के साथ मानवीय सलूक होना चाहिए और संकट के समय किराया घटाया जाना चाहिए, हर हादसे, डायवर्जन या इमर्जेंसी लैंडिंग के ऑडिट का कानून बनाया जाना चाहिए। बीमा राशि सालों बाद नहीं, कुछ हफ्ते बाद मिल जानी चाहिए। उड़ान के दौरान जहरीले खान-पान और उद्दंड क्रू मेंबर्स पर प्रतिबंध लगना चाहिए। हर विमान हादसे के पीछे खराब मौसम या तकनीकी गलती को कारण बताया जाता है लेकिन कभी उस व्यवस्थागत सड़ांध का जिक्र नहीं होता जो विमान हादसों के लिए जिम्मेदार होते हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RAJASTHAN PATRIKA JAIPUR 1 JULY 2025

# फ्लाइट्स लेट, यात्री परेशान

**जयपुर @ पत्रिका.** जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स की देरी से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को इंडिगो की अहमदाबाद से शाम 7:10 बजे आने वाली फ्लाइट 2 घंटे 35 मिनट की देरी से पहुंची। अलायंस एयर की बीकानेर से रात 8:15 बजे आने वाली फ्लाइट 1 घंटे 15 मिनट लेट रही। स्पाइसजेट की रात 9:50 बजे जयपुर पहुंचने वाली फ्लाइट भी 1 घंटे की देरी से आई। एयर इंडिया एक्सप्रेस की हैदराबाद से शाम 7:25 बजे आने वाली फ्लाइट भी आधे घंटे की देरी से जयपुर पहुंची। अलायंस एयर की बीकानेर जाने वाली फ्लाइट 1 घंटे 10 मिनट, इंडिगो की चंडीगढ़ जाने वाली फ्लाइट 2 घंटे और अलायंस एयर की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट 1 घंटे 20 मिनट की देरी से जयपुर से रवाना हुई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA MUMBAI 1 JULY 2025

# 38 hrs after Guj crash, another Air India flight had close shave

## B-777 Suffered 900ft Altitude Loss; Pilots Off-Rostered Pending Probe: AI

**Saurabh.Sinha**
@timesofindia.com

**New Delhi:** A second Air India wide-body aircraft had a midair safety scare within 38 hours of the June 12 AI-171 crash in Ahmedabad, involving a "stall warning" and a double "don't sink caution" from the ground proximity warning system after the Boeing 777 inexplicably suffered an altitude loss of around 900ft during climb.

The pilots of the flight to Vienna stabilised the aircraft from what sources said was a precarious situation, reflected in a "stick shaker" warning that refers to the control column on the flight deck shaking and making a noise to indicate something is not right.

Luckily for the passengers and the crew, flight AI-187 had no hiccups thereafter and landed safely in Vienna after a nine-hour, eight-minute journey. After a technical halt necessitated by war-induced airspace closures that have made some aviation routes longer, the aircraft proceeded to Toronto with another set of crew, officials said.

Following the AI-171 Dreamliner crash in Ahmedabad, DGCA had issued a notice on June 17 directing Air India to strictly focus on safety

The flight report for the Delhi-Vienna sector only had the "stick shaker due to turbulence after take-off mentioned and not the other occurrences in detail", officials said. When authorities examined the B777's flight data recorder, possibly as part of enhanced surveillance ordered by DGCA after the AI-171 crash, "other occurrences" came to light, they said.

"Upon receipt of the pilot's report, the matter was disclosed to DGCA in accordance with regulations. Subsequently, upon receipt of data from the aircraft's recorders, further investigation was initiated. The pilots have been off-rostered pending the outcome of the investigation," an AI spokesperson said.

DGCA has since started an investigation into the cockpit emergency and summoned AI's head of safety for a hearing. According to flight tracking sites, B777 (VT-ALJ) took off at 2.56am on June 14 in bad weather. Delhi was witnessing a thunderstorm at the time.

Following the AI-171 Dreamliner crash, DGCA issued a notice on June 17, raising "concern regarding recent maintenance-related issues" reported by Air India and directing the airline to strictly focus on safety while strengthening "internal coordination across engineering, operations, ground handling units".

"Old Air India (when it was a PSU) did not have comfortable planes running on time, but safety was never an issue. Now, planes, at least the narrow body fleet, are better but passengers are apprehensive about safety. The new management needs to win back passenger and employee trust at the earliest by doing all it takes," an aviation industry insider said.